INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

बारहवीं कहानी -: धुंध

By : INVC Team Published On : 4 Apr, 2017 07:00 AM IST

लेखक म्रदुल कपिल कि कृति " चीनी कितने चम्मच " पुस्तक की सभी कहानियां आई एन वी सी न्यूज़ पर सिलसिलेवार प्रकाशित होंगी ।

-चीनी कितने चम्मच पुस्तक की बारहवीं कहानी -

____ धुंध _____

नीलिमा ने अपनी डेस्क का काम निपटा कर घड़ी की तरह देखा 3 बजने वाले थे , उसे बहुत तेज़ भूख लग रही थी , किसी बात पर नाराज हो कर आज वो अपना लंच बॉक्स नही लायी थी ,उसे पति के हाथ कि बनायीं मैगी की याद आ रही थी ,अनजाने में ही उसने अपने पति का नंबर डायल कर दिया , " मुझे भूख लगी है " " तो कुछ खा लो " " नही मुझे मैगी खानी वो भी तुम्हरे हाथ की " " लेकिन मै तो एक मीटिंग में जा रहा हू ... ? " " मुझे कुछ नही पता , मुझे मैगी खानी है वो भी तुम्हरे हाथ की , और वो भी आधे घंटे के अंदर , देर हुयी तो मै भूख से मर जाउगी बाय "

नीलिमा को खुद नही पता था की आज कैसे उसके अंदर से 8 साल पुरानी नेहा जाग उठी थी , नीलिमा को पता था की रविन्द्र नही आ पायेगे ... , नीलिमा के दिल और दिमाग में बहुत सी पुरानी यादो ने एक साथ धावा बोल दिया था ,कैसे 6 सालो के प्यार , इंतिजार और घर वालो के विरोध के बाद वो शादी कर पाये थे , उसे याद आ रहा था की कैसे वो सुबह सुबह 5 किलोमीटर स्कूटी चला कर रविन्द्र को जगाने आती थी , उसे याद आ रहा था की पूरी पूरी रात बाते करने के बाद भी उनकी बाते नही खत्म होती थी , उसे याद आ रहा था की कैसे उसकी हर सही गलत बात को रविन्द्र ने माना था , उन दोनों का अंश उनके आँगन में था , नीलिमा जानती थी की समय के साथ साथ उनकी जिम्मेदारिया बढ़ गयी है , लेकिन वो समझ नही पा रही थी की क्या इन जिम्मेदारियों के बोझ तले उसका प्यार भी दब गया है ? क्यों कभी कभी साथ रहते रहते वो अजनबी बन जाते है ? क्यों उनके पास बात करने के लिए कोई बात नही होती है ? क्यों लगता है की जिंदगी रुक सी गयी है ? क्यों अब एक दूसरी की खूबियों की जगह वो एक दूसरे की बुराइया देखने लगे है ? नीलिमा खुद के सवालो में खुद को घिरा पा रही थी .

तभी उसे अपनी डेस्क के पास कोई हलचल सुनाइए दी , उसने सर उठा कर देखा समने रविन्द्र हाथ में मैगी का टिफिन लिए खड़े थे ? अवाक् सी नीलिमा शायद बोलना भूल गयी थी , बड़ी मुश्किल से उसे मुँह से आवाज निकली " .... तुम सच में ?' " हाँ देख लो तुम्हे कॉल किये हुए अभी 28 मिनट ही हुए है " रविन्द्र ने मुस्कुराते हुए बोला ' .... लेकिन तू तो मीटिंग में ?' " मीटिंग के पीछे मै अपनी एकलौती बीवी को भूखे तो नही मरने दे सकता न , मीटिंग छोड़ दी , रास्ते में दोस्त के घर पर रुक कर तुम्हरे लिए मैगी बनायीं , और सीधे तुम्हरे पास " " तुम अपनी मीटिंग छोड़ कर , 12 किमोमीटर बाइक चला कर सिर्फ मुझे मैगी खिलाने आये हो " जवाब में रविन्द्र सिर्फ मुस्करा दिया। किसी की परवाह न करते हुए नीलिमा सब के सामने रविन्द्र के गले लग गयी , उसे सारे सवालो का जवाब उसे मिल गया था , वो जान गयी थी की उनके रिश्ते में एक धुंध जम गयी थी , जिसके नीचे उनका वही पुरना चमकदार प्यार छुपा था .

_____

परिचय – :

मृदुल कपिल

लेखक व् विचारक

18 जुलाई 1989 को जब मैंने रायबरेली (उत्तर प्रदेश) एक छोटे से गाँव में पैदा हुआ तो तब दुनियां भी शायद हम जैसी मासूम रही होगी . वक्त के साथ साथ मेरी और दुनियां दोनों की मासूमियत गुम होती गयी . और मै जैसी दुनियां देखता गया उसे वैसे ही अपने अफ्फाजो में ढालता गया . ग्रेजुएशन , मैनेजमेंट , वकालत पढने के साथ के साथ साथ छोटी बड़ी कम्पनियों के ख्वाब भी अपने बैग में भर कर बेचता रहा . अब पिछले कुछ सालो से एक बड़ी हाऊसिंग कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर हूँ . और अब भी ख्वाबो का कारोबार कर रहा हूँ . अपने कैरियर की शुरुवात देश की राजधानी से करने के बाद अब माँ –पापा के साथ स्थायी डेरा बसेरा कानपुर में है ।

पढाई , रोजी रोजगार , प्यार परिवार के बीच कब कलमघसीटा (लेखक) बन बैठा यकीं जानिए खुद को भी नही पता . लिखना मेरे लिए जरिया है खुद से मिलने का . शुरुवात शौकिया तौर पर फेसबुकिया लेखक के रूप में हुयी , लोग पसंद करते रहे , कुछ पाठक (हम तो सच्ची ही मानेगे) तारीफ भी करते रहे , और फेसबुक से शुरू हुआ लेखन का सफर ब्लाग , इ-पत्रिकाओ और प्रिंट पत्रिकाओ ,समाचारपत्रो , वेबसाइट्स से होता हुआ मेरी “ पहली पुस्तक “तक आ पहुंचा है . और हाँ ! इस दौरान कुछ सम्मान और पुरुस्कार भी मिल गए . पर सब से पड़ा सम्मान मिला आप पाठको अपार स्नेह और प्रोत्साहन . “ जिस्म की बात नही है “ की हर कहानी आपकी जिंदगी का हिस्सा है . इसका हर पात्र , हर घटना जुडी हुयी है आपकी जिंदगी की किसी देखी अनदेखी डोर से . “ जिस्म की बात नही है “ की 24 कहनियाँ आयाम है हमारी 24 घंटे अनवरत चलती जिंदगी का .

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/twelfth-story-mist/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.